www.a2zSubjects.com

PAPER-II
DOGRI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

J 3 3 1 6

Time : **1 ¼** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **12**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen provided by C.B.S.E.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल C.B.S.E. द्वारा प्रदान किये गये काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

DOGRI
डोगरी

Paper – II
प्रश्न पत्रिका – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

नोट : इस पेपर च **पंजाह् (50)** मते विकल्पी सुआल न । हर सुआलै दे **दो (2)** नंबर न । **सभनें** सुआलें दे परते देओ ।

1. वाक्-प्रतीक

(a) उच्चरत होंदे न ।
(b) लिखत होंदे न ते भाशा दी संरचना करदे न ।
(c) व्यवस्था च बज्झियै भाशा दे संरचक होंदे न ।
(d) सरूपहीन होंदे न ।

(1) (a) ते (d) ठीक न ।
(2) (b) ते (c) ठीक न ।
(3) (a) ते (c) ठीक न ।
(4) (c) ते (d) ठीक न ।

2. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) प्लुतीकरण	(i) प्हाड़
(b) उच्चा-ढलदा सुर	(ii) कतांह्
(c) नींदा-चढ़दा सुर	(iii) साह्
(d) अनुनासकीकरण	(iv) ताड

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(3)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(4)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

3. रीति, थाह्र, परिमाण ते काल दे स्हाबें इं'दे सूचक क्रियाविशेशन शब्दें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) कि'यां, कु'त्थै, कोल्लै, किश
(2) कि'यां, कु'त्थै, किश, कोल्लै
(3) कु'त्थै, कि'यां, किश, कोल्लै
(4) किश, कि'यां, कु'त्थै, कोल्लै

4. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) 'राकेश इ'यां दौड़ेआ जि'यां ओह्दे पिच्छें चोर लग्गे दा होऐ ।' इक मिश्रत वाक्य ऐ ।
(R) कीजे मिश्रत वाक्य च इक कशा बद्ध उपवाक्य होंदे न ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।
(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।
(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।
(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

5. 'बदबू' दे वाचक शब्द दा स्हेई लिखत रूप ऐ :

(1) सढ़ैन । (2) कचैह्न ।

(3) सड़्हैन । (4) सड़ैह्न ।

6. हेठ दित्ते दे पदें दे शुद्ध लिखत रूप न :

(a) इ'यां, उ'आं, नुहां, धियां

(b) इ'यां, उ'यां, नूहां, धीयां

(c) जि'यां, कि'यां, दूआ, त्रिया

(d) जि'आं, कि'यां, दुआ, त्रीया

(1) (a) ते (b) ठीक न । (2) (a) ते (d) ठीक न ।

(3) (b) ते (c) ठीक न । (4) (a) ते (c) ठीक न ।

7. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) Comparative grammar of the Dravidian Languages	(i) फ्रांत्स बोप
(b) अवेस्ता	(ii) ई.पू. 429-ई.पू. 347
(c) धातु प्रक्रिया	(iii) कॉडवेल
(d) प्लेटो	(iv) आर्य परोआर

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(4)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

8. अन्यपुरश, संबंधवाचक, प्रश्नवाचक ते निश्चयवाचक (कोलवर्ती) दे क्रम दे स्हाबें इं'दे सर्वनाम रूपें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) उन्न, जिन्न, कुन्न, इन्न (2) इन्न, उन्न, जिन्न, कुन्न

(3) कुन्न, उन्न, जिन्न, इन्न (4) उन्न, जिन्न, इन्न, कुन्न

9. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरा अक्खर लिपि डोगरी भाशा दे लेखन आस्तै स्हेई मैह्ने च माकूल लिपि ही ।

(R) देवनागरी लिपि डोगरा अक्खर लिपि कशा मती पूर्ण ते किश हद्दा तगर संशोधनें गी धारणा करियै, डोगरी लेखन आस्तै मती माकूल ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

10. इं'दे च तालवीकरण दे ध्वनि-परिवर्तन आह्ला उदाहरण ऐ :

(1) सच्च (2) कन्न

(3) दिब्ब (4) डन्न

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

11. तारा स्मैलपुरी दी कविता च :

(a) महाकाव्य ते खंडकाव्य बड़े लोकप्रिय न ।

(b) समाजी बुराइयें पर चुप्पी ऐ ।

(c) राजनीति ते सरकारी ऐहलकारें च फैले दे भ्रष्टाचार पर व्यंगबाण न ।

(d) कि'ते ते कुंडलियां असरदार न ।

(1) (a), (c) ते (d) ठीक न ।

(2) (b) ते (c) ठीक न ।

(3) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

(4) (c) ते (d) ठीक न ।

12. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) हेठ चनारें दे खड़ी, कु'न कश्मीरी नार	(i) वेदपाल दीप
(b) चबक्खै लैह्र ही जीवन दी इक छाई	(ii) जितेंद्र उधमपुरी
(c) कुसै मुट्ठ दानें दी झोली निं पाई फिरी आए मंगते खलाड़ै-खलाड़ै	(iii) अश्विनि मगोत्रा
(d) साकिया । मैलियां निं कर अक्खीं, तेरे छुट्ट होर आसरा निं रेहा ।	(iv) किशन स्मैलपुरी

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(4)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

13. भजन, बाल कविता, गज़ल ते लघु-काव्य दे क्रम दे स्हाबें इंदें पुस्तकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) भ्यागा दी कशबो, सतरंगी पींघ, गांदे बोल भांदे बोल ते चाननी

(2) चाननी, भ्यागा दी कशबो, सतरंगी पींघ ते गांदे बोल भांदे बोल

(3) गांदे बोल भांदे बोल, सतरंगी पींघ, चाननी ते भ्यागा गी कशबो

(4) भ्यागा दी कशबो, सतरंगी पींघ, चाननी ते गांदे बोल भांदे बोल

14. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) अज़ादी दे पैह्ले दी डोगरी कविता च प्रगतिवाद दा सुर बड़ा मुखरत ऐ ।

(R) एह कथन ठीक नेईं की जे प्रकृति-चित्रण ते भगतीवाद दे सुर बी खासे सुआए न ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

15. इं'दे च नवगीतें दा संग्रैह् ऐ :

(1) में कस्तूरी हिरन

(2) आओ गीत गाचै

(3) डुआर चेतें दे

(4) गूंगे दा गुड़

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

16. सन् 2009 च प्रकाशत रचनां न :

(a) हरदेइए दी गढ़ी

(b) असली वारस

(c) नानू पीर दी जंग दा आखरी किला

(d) बूआ बसेन्ती दा गढ़

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न । (2) (a) ते (c) ठीक न ।

(3) (b), (c) ते (d) ठीक न । (4) (c) ते (d) ठीक न ।

17. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) लिखत	(i) नरेंद्र भसीन
(b) आसें दा चन्न	(ii) वेद राही
(c) अनंत	(iii) इन्दरजीत केसर
(d) मगाली	(iv) पीतांबर नाथ शास्त्री

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(2)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(3)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(4)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

18. बी.पी. साठे, बंधु शर्मा, ललित मगोत्रा ते मदन मोहन शर्मा – डोगरी क्हानीकारें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दियें रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) पंजतारे दा फुल्ल, रस्ता अपना-अपना, पोआर ते ताण्डव ।

(2) रस्ता अपना-अपना, पंजतारे दा फुल्ल, ताण्डव ते पोआर ।

(3) पंजतारे दा फुल्ल, रस्ता अपना-अपना, ताण्डव ते पोआर ।

(4) पंजतारे दा फुल्ल, ताण्डव, रस्ता अपना-अपना ते पोआर ।

19. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) अज्जै दी डोगरी क्हानी च रोमांटिक ते भावुक विशें दे मकाबले च पाठकें गी झनकोरने आह्ला कठोर यथार्थ मता लभदा ऐ ।

(R) न्हेरे घिरी इक पुली, न्हेरे दा समुन्दर ते हैलो माया क्हानियां डोगरी क्हानी दे यथार्थवादी रुझान दियां सबूत न ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

20. 'बर्लिन दी दीवार' क्हानी दे लेखक न

(1) मदन मोहन शर्मा (2) ओम गोस्वामी

(3) ललित मगोत्रा (4) शकुंत दीपमाला

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

21. 'मित्तर प्यारे दा देश' ते 'दूर सागरै पार' नांऽदे निबंध :

(a) पद्मा सचदेव ते देश बंधु डोगरा 'नूतन' हुंडियां रचनां न ।

(b) रामनाथ शास्त्री ते पद्मा सचदेव हुंदियां रचनां न ।

(c) रूस ते पोर्ट-ब्लेयर सरबंधी यात्रालेख न ।

(d) रूस ते लंदन सरबंधी यात्रालेख न ।

(1) (a) ते (b) ठीक न ।

(2) (a) ते (c) ठीक न ।

(3) (a) ते (d) ठीक न ।

(4) (b) ते (c) ठीक न ।

22. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) त्रिप-त्रिप चेते	(i) संस्मरणात्मक निबंध
(b) चेतें दी चितकबरी	(ii) साहित्यक निबंध
(c) परख ते पड़ताल	(iii) मनोविज्ञानक निबंध
(d) सप्तक	(iv) यात्रालेख

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(2)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(3)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(4)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

23. प्रकाशन ब'रे दे स्हाबें 'चेतें दियां ग'लियां', 'चार दिशां-चार धाम', 'गुंगी धरती दा जिंदगी नामा' ते 'दिन-दिन जोत सोआई' पोथियें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) 'दिन-दिन जोत सोआई', 'गुंगी धरती दा जिंदगी नामा', 'चार दिशां-चार धाम' ते 'चेतें दियां ग'लियां' ।

(2) 'दिन-दिन जोत सोआई', 'गुंगी धरती दा जिंदगी नामा', 'चेतें दियां ग'लियां' ते 'चार दिशां-चार धाम' ।

(3) 'गुंगी धरती दा जिंदगी नामा', 'चेतें दियां ग'लियां', 'दिन-दिन जोत सोआई' ते 'चार दिशां-चार धाम' ।

(4) 'चार दिशां-चार धाम', 'चेतें दियां ग'लियां', 'गुंगी धरती दा जिंदगी नामा' ते 'दिन-दिन जोत सोआई' ।

24. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) जीवनी च सिर्फ घटनाएं दा लेखा-जोखा गै नेईं होंदा ऐ ।

(R) जीवनी च व्यक्ति दे अंदरले ते बाह्रले जीवन दा सच्चा, निश्पक्ख ते कलात्मक चित्रण होंदा ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

25. शेरे डुग्गर लाला हंसराज हुंदी जीवनी दे लेखक न :

(1) प्रो. लक्ष्मी नारायण होर (2) मुल्खराज सराफ होर

(3) प्रो. रामनाथ शास्त्री होर (4) विश्वनाथ खजूरिया होर

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

26. "अज्ज राम ते लक्ष्मण नै बाली ते सुग्रीव आह्ला रूप कीऽ धारण कीता ऐ ?" एह् संवाद ऐ :

(a) रणपत दे मुहां निकले दा ।

(b) 'सरपंच' नाटक दा ।

(c) 'अयुध्या' नाटक दा ।

(d) 'रामलीला' नाटक दा ।

(1) (a) ते (b) ठीक न ।
(2) (b) ते (c) ठीक न ।
(3) (a) ते (c) ठीक न ।
(4) (b) ते (d) ठीक न ।

27. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) मक्खू	(i) आन-मर्यादा
(b) रविकांत	(ii) इक परछामां बदली दा
(c) मकोड़ू	(iii) ढौंदियां कंधां
(d) मायाराम	(iv) काला सूरज

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

28. 'धारां गूंजी पेइयां', 'न्यांड', 'कि'यां मुक्कग, कु'न मकाण 'पिंड कु'न्नै जोआड़ेआ' नाटकें दे पात्तरें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) डाक्टर सुदीप, हकीकत राय, मुन्ना, हैंसनी ।

(2) हैंसनी, मुन्ना, हकीकत राय, डाक्टर सुदीप ।

(3) हकीकत राय, मुन्ना, हैंसनी, डाक्टर सुदीप ।

(4) मुन्ना, हैंसनी, डाक्टर सुदीप, हकीकत राय ।

29. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) रंगमंची नाटक गी रेडियाई नाटक च बदलना औखा ऐ पर ना-मुम्किन नेईं ऐ ।

(R) रेडियाई नाटकें च आंगिक, आहार्य ते सात्विक अभिनय दी गुंजाइश नेईं होंदी ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

30. 'चल मेरे हरण टिच्चक टूं' :

(1) राज राही दा नाटक ऐ ।
(2) कुमार अ. 'भारती' दा नाटक ऐ ।
(3) दीपक कुमार दा नाटक ऐ ।
(4) ध्यान सिंह दा नाटक ऐ ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

31. वक्रोक्ति सिद्धांत च पद पूर्वार्ध वक्रता दे अंतर्गत औंदे न :

(a) रूढ़ि वैचित्र्य वक्रता
(b) वृत्ति वक्रता
(c) संवृत्ति वक्रता
(d) काल वक्रता

(1) (b), (c) ते (d) ठीक न ।
(2) (a), (b) ते (c) ठीक न ।
(3) (a), (b) ते (d) ठीक न ।
(4) (a), (c) ते (d) ठीक न ।

32. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) अद्भुत रस	(i) सत्वगुण आह्ला व्यक्ति
(b) शांत रस	(ii) अनिश्टता ग्रस्त व्यक्ति
(c) करुण रस	(iii) खोफनाक व्यक्ति जा वस्तु दा द्रश्टा
(d) भयानक रस	(iv) द्रश्टा

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(2)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(3)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(4)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

33. संयोग श्रृंगार दे विभावें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) आलंबन, उद्दीपन, विभाव ते संचारी
(2) उद्दीपन, विभाव, संचारी ते आलंबन
(3) आलंबन, संचारी, उद्दीपन ते विभाव
(4) विभाव, आलंबन, उद्दीपन, संचारी

34. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) रीति सिद्धांत दी मान्यता बी इक चाल्ली कन्नै भरतमुनि कशा गै मन्नी जाई सकदी ऐ ।
(R) भरतमुनि ने रीति शब्द दा प्रयोग भामें नेईं कीता पर नाट्य प्रवृत्तियें दा जो विवरण कीता ऐ ओह् वामन आसेआ रीतियें दे चित्रण च लभदा ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।
(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।
(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।
(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

35. हास्य रस दे विरोधी रस न :

(1) श्रृंगार ते वीर
(2) करुण ते भयानक
(3) करुण ते श्रृंगार
(4) रौद्र ते वीर

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

36. लोक-नाटकें च :

(a) कथानक दी म्हत्ता मती ।

(b) लोकजीवन दे रीति-रवाजें दा जिकर जरूरी ।

(c) द्रिश्श-परिवर्तन दी गुंजैश मती ।

(d) संवाद पद्य च होना जरूरी ।

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

(2) (b) ते (c) ठीक न ।

(3) (b) ते (d) ठीक न ।

(4) (c) ते (d) ठीक न ।

37. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) अभिनीत गीत	(i) नाच
(b) मोह्रा	(ii) अर्जत अवचेतन मानस
(c) शिश्ट साहित्य	(iii) मूर्तिकला
(d) लोक-साहित्य	(iv) सैह्ज अवचेतन मानस

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(2)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(3)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(4)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

38. मियां डीडो, दाता रणपत, खेती खसमें सेती ते अक्खीं मैलियां करना – इं'दे साहित्यक रूपें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) कारकु बार, मुहाबरा ते खुआन ।

(2) बार, कारक, खुआन ते मुहावरा ।

(3) बार, कारक, मुहावरा ते खुआन ।

(4) कारक, बार, खुआन ते मुहावरा ।

39. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) राबर्ट-ग्रेव्स दा कथन ऐ जे जेकर लोकगाथा रा गायक लोकगाथा गी नैतिक जां उपदेशात्मक बर्नादा ऐ तां इस थमां स्पश्ट ऐ जे ओह् समुदाय थमां बक्खरा होइयै सुसंस्कृत रचनाएं दा पक्ष लै करदा ऐ ।

(R) अक्सर डोगरी लोकगाथाएं च शौर्य, प्रेम, देशभक्ति वगैरा दे नेकां प्रसंग मजूद न । इं'दे आदर्श चरित्रें प्रति शरधा भाव पैदा होंदा ऐ पर इस सब दे बावजूद बी उपदेश देने दी प्रवृत्ति नेईं लभदी ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

40. मुहावरा :

(1) इक वाक्यांश होंदा ऐ ।

(2) सुतंतर रूप च बरतेआ जाई सकदा ऐ ।

(3) खुआन आँह्गर पूरा होंदा ऐ ।

(4) अभिधा जां लक्षणा शक्ति कन्नै सिद्ध वाक्यांश होंदा ऐ ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

41. अनुवाद दा संरचनापरक सिद्धांत

(a) ब्यूलर दे सिद्धांत पर अधारत ऐ ।

(b) कैटफर्ड ने दित्ता ।

(c) फर्थ दे सिद्धांत पर अधारत ऐ ।

(d) मशीनी अनुवाद आस्तै बड़ा माकूल ऐ ।

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

(2) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

(3) (a), (b) ते (d) ठीक न ।

(4) (b) ते (d) ठीक न ।

42. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) व्याख्या अनुवाद	(i) मूल मुक्त अनुवाद
(b) छायानुवाद	(ii) खु'ल्ली छूट होंदी ऐ ।
(c) भावानुवाद	(iii) मूल दे पात्रें, घटनाएं आदि दे देशीकरण दी छूट ।
(d) रूपांतरण	(iv) अनुवादक दा व्यक्तित्व झलकदा ऐ ।

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(4)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)

43. काले कां ते काले पानी, सादा लफाफा, लल्लवचनामृत ते आत्मबोध – इ'नें अनूदत रचनाएं दियें विधाएं दे स्हाबें स्हेई क्रम ऐ :

(1) उपन्यास, कविता, गद्य ते क्हानी ।

(2) कविता, क्हानी, उपन्यास ते गद्य ।

(3) गद्य, उपन्यास, कहानी ते कविता ।

(4) क्हानी, उपन्यास, कविता ते गद्य ।

44. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) 'अंतरण' दे चरण च व्यतिरेकी विश्लेशन दी बी बड़ी खास भूमिका होंदी ऐ ।

(R) स्रोत भाशा ते लक्ष भाशा दियें संरचनाएं दियें समानताएं ते फर्क-भेदें दे अधार उप्पर कथ्य दा अंतरण करने च सुविधा होंदी ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

45. "इक भाशा दे कथन दा दूई भाशा दे कथन च रूपांतरण अनुवाद ऐ, जिस च कथ्यवस्तु यानि अर्थ गी बिजन कुसै फेर-बदल दे कायम रक्खेआ जाड ।" एह् आखे दा ऐ

(1) बर्खुदारोव ने ।

(2) फ्लोरा रास एमॉस ने ।

(3) एतीने दोले ने ।

(4) रामनाथ शास्त्री ने ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

46. टैलीविजन दे अविश्कारक :

(a) जॉन लोगी बेयर्ड न ।

(b) जॉन फ्लेमिंग न ।

(c) स्काटलैंड निवासी हे ।

(d) अमरीका निवासी हे ।

(1) (a) ते (b) ठीक न ।

(2) (a) ते (c) ठीक न ।

(3) (b) ते (c) ठीक न ।

(4) (b) ते (d) ठीक न ।

47. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) सिरजना प्रोग्राम	(i) टी.वी. ट्यूनर
(b) मल्टी मीडिया	(ii) डोगरी प्रोग्राम
(c) सैट्ट टाप बॉक्स	(iii) परंपरागत संचार
(d) शिलालेख	(iv) कंप्यूटर

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

48. ढोल, रेडियो, कंप्यूटर ते इंटरनेट दा कालक्रम दे स्हाबे स्हेई क्रम ऐ :

(1) रेडियो इंटरनेट, कंप्यूटर ते ढोल

(2) रेडियो, कंप्यूटर, इंटरनेट ते ढोल

(3) ढोल, रेडियो, कंप्यूटर ते इंटरनेट

(4) ढोल, इंटरनेट, रेडियो ते कंप्यूटर

49. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) सूचना शक्ति ऐ । इसदी ताकत गी नज़र-अंदाज़ नेईं कीता जाई सकदा ।

(R) सूचना दी शक्ति दा प्रयोग गल्त दा विरोध करने आस्तै बी होना लोड़चदा ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

50. मार्टिन कूपर जनमदाता न :

(1) सैलुलर फोन दे ।

(2) टैलीग्राफ मशीन दे ।

(3) टैलीविजन दे ।

(4) टैलीफोन दे ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

Space For Rough Work

www.a2zSubjects.com